A-619

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DPJ-104

मुहूर्त विचार

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. नामकरणादि संस्कारों में मुहूर्त क्यों आवश्यक है? वैज्ञानिकता सिद्ध करते हुए प्रकाश डालें।

Q.2. विवाह संस्कार का विस्तृत वर्णन करें।

Q.3. गर्भाधान संस्कार की वैज्ञानिकता को सिद्ध करते हुए प्रकाश डालें।

Q.4. मानव जीवन में संस्कारों की क्या उपयोगिता है।

Q.5. संस्कारों के योगदान पर सविस्तार विवेचन करें।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. कर्णवेध सस्कार क्यों आवश्यक है? उपयोगिता सिद्ध करें।

Q.2. मुहूर्त में लग्न शुद्धि गुरू शुद्धि एंव शुक्र शुद्धि क्यों आवश्यक है? प्रकाश डालें।

Q.3. द्वार स्थापन मुहूर्त के विषय में उल्लेख करें।

Q.4. जलाशय मुहूर्त का सविस्तार विवेचन करें।

Q.5. चौधड़िया का विचार कब करना चाहिए और क्यों आवश्यक है। स्पष्ट करें।

Q.6. राहुकाल एंव यमघण्टक का क्या फल होता है? विवेचना करें।

Q.7. क्रय एंव विक्रय मुहूर्त के विषय में सविस्तार से उल्लेख करें।

Q.8. गृहारम्भ मुहूर्त के विषय में प्रकाश डालें।

****